[श्री भागवत झा आज़ाद]

है । मैं पाटिल साहब को कहना चाहता हूं कि उन के अधिकार सत्ता के नशे में चूर हैं और वे उसी पुरानी लालफ़ीताशाही वाली मनोवृत्ति के हैं । आप से पहले जो रेलवे के मंत्री श्री स्वर्ण सिंह होते थे उन्होंने कहा था कि जब संसद् सदस्य कोई शिकायत लिख कर भेजें तो उसे स्वयं देखा जाय हालांकि यह अमल में नहीं आ रहा है । जनरल मनेजर खुद ख़त का जवाब नहीं भेजता बल्कि उसके बिहाफ़ पर एक अन्य व्यक्ति मि० भिडे फौर जनरल मैनेजर कर के भेज देता है दरअसल जनरल मैनेजर पत्रों को पढ़ते ही नहीं हैं । मुझे जब वह पत्र प्राप्त हुआ तो मुझे वह पत्र बड़ा अपमानजनक प्रतीत हुआ . . . .

Mr. Chairman: I should request him to conclude now. I have allowed him sufficient time, he being the first speaker from the Congress party.

श्री भागवत झा आजाद : बस एक बात कह कर मैं समाप्त किये देता हूं । आज आवश्यकता इस बात की है कि आप इन पर जोर दीजिये और प्रशासन व्यय में कमी लाइये । इस के साथ ही जो आप के नीचे काम करने वाले कर्मचारी हैं उनके सुख सुविधा की तरफ़ ध्यान दीजिये । उदाहरण के लिए मैं यह कहना चाहता हूं कि जो आप के टी० टी० आई० हैं इन को आप रनिंग स्टाफ़ मानें । उन को रनिंग स्टाफ़ अभी तक नहीं माना गया है ।

प्रशासन में सुधार हो, खर्च में कमी हो और जो आपके नीचे काम करने वाले हैं । उन की सुविधाओं की ओर ध्यान दीजिए । पब्लिक अंडरटेकिंग्स में रेलवेज हमारे लिए गौरव की बात है और इसलिए इन तमाम बातों पर ध्यान देना और भी जरूरी हो जाता है । रेलवेज जो हमारी प्रगति और प्रशस्ति की सूचक हैं और जिस पर कि हमारे काफ़ी अरमान लगे हुए हैं उस में यह तमाम बातें यदि की जाती हैं और सुधार लाया जाता है तो हम आप का समर्थन अवश्य करेंगे, ऐसे समर्थन तो हम आज भी करेंगे लेकिन उस समय और भी जोर शोर से करेंगे ।

15.43 hrs.

RE: CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

(*Procedure*)

Mr. Chairman: Before I call upon the next hon. Member, I have not a short announcement to make. I may inform the House that Members who had tabled a Calling Attention Notice on Pakistan's intrusion into Kutch will be allowed to ask questions at 4.45 p.m. today on the statement laid by the Minister of External Affairs this morning.

श्री ओंकार लाल बेरवा (कोटा) : सभापति महोदय, मैं ने कौलिंग अटेंशन नोटिस हिन्दी में दिया था लेकिन यह अंग्रेजी में बतलाया जा रहा है तो हम लोग इस पर प्रश्न कैसे पूछ पायेंगे? इसे हिन्दी में बतलाया जाये ।

Mr. Chairman: Will you please sit down? Do not stand up and interrupt the proceedings of the House. I have got a right to speak in any language I know between Hindi and English. You cannot compel me. Here is the translation facility. Please follow the translation. I will read it is English slowly, and I will ask the translators to translate slowly.

I may inform the House that Members who had tabled the Calling Attention Notice on Pakistan's intrusion into Kutch will be allowed to ask questions at 4.45 p.m. today on the statement laid by the Minister of External Affairs this morning.

Dr. Ranen Sen.